समस्या

परिसर के सामने जल निकासी व्यवस्था नदारद, आमजन से लेकर अधिकारी तक परेशान

बीईओ, आजीविका मिशन एवं बीआरसी कार्यालय परिसर जलभराव की चपेट में

नवभारत न्यूज

मोहखेड़, 6 जुलाई, विकासखंड मुख्यालय क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर प्रशासनिक तैयारियों की हकीकत उजागर कर दी है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय, आजीविका मिशन कार्यालय एवं बीआरसी कार्यालय परिसर इस समय गंभीर जलभराव की स्थिति से जूझ रहा है। बारिश का पानी परिसर में इस कदर भर गया है कि पूरा क्षेत्र जलमग्न होकर तालाब जैसा दृश्य प्रस्तुत कर रहा है।

गिट्टी-बजरी डालने के बाद भी स्थिति जस की तस

स्थानीय जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष परिसर में गिट्टी एवं बजरी डालकर सुधार कार्य किया गया था, लेकिन इसके बावजूद जलभराव की समस्या में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। बारिश होते ही पानी फिर से परिसर में जमा हो जाता है, जिससे साफ संकेत मिलते हैं कि स्थायी जल निकासी व्यवस्था आज भी पूरी तरह अनुपस्थित है।

आमजन, अधिकारी, कर्मचारी सभी प्रभावित

जलभराव की इस स्थिति का सीधा असर आमजन, अधिकारी, कर्मचारी एवं महिलाओं पर पड़ रहा है। बीआरसी कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आधार कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज, आजीविका मिशन से जुड़े कार्य एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें पानी से भरे परिसर से होकर गुजरना पड़ रहा है।कई लोग छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ जोखिम उठाकर कार्यालय तक पहुंचने को मजबूर हैं। वहीं कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी भी दैनिक कार्यों के लिए परिसर में आवाजाही करने में परेशान हो रहे हैं।

जलभराव से प्रशासनिक कार्यों पर असर

परिसर में पानी भर जाने के कारण कई कार्यालयीन गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। दस्तावेजों की आवाजाही, आगंतुकों की एंट्री और सामान्य कार्य संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है।

हर वर्ष दोहराई जाने वाली समस्या: स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। केवल अस्थायी स्तर पर गिट्टी या मरम्मत कर समस्या को टाल दिया जाता है, जो कुछ समय बाद फिर से गंभीर रूप ले लेती है।

नप चांदामेटा-बुटारिया ने त्वरित कार्रवाई कर वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था की सुनिश्चित

नवभारत न्यूज

परासिया, 6 जुलाई, नगर परिषद चांदामेटा-बुटारिया द्वारा नगरवासियों को पेयजल संकट से राहत दिलाने हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

5 जुलाई को चरई डेम स्थित नगर परिषद के इंटेक वेल की मोटर पम्प में अचानक तकनीकी खराबी आने के कारण नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के लिए प्रशासन सक्रिय हुआ। विधायक सोहनलाल वाल्मीक नगर परिषद अध्यक्ष गोविंद बजोलिया, मुख्य नगरपालिका अधिकारी विकेश कुमार कुमरे तथा नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया गया। इसके फलस्वरूप चरई डेम से पी.एच.ई. विभाग की पाइपलाइन के माध्यम से नगर क्षेत्र में वैकल्पिक पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र में दो दिवस के अंतराल पर पेयजल प्रदाय किया जाएगा, जिससे नागरिकों को आवश्यक पेयजल उपलब्ध होता रहेगा। नगर परिषद द्वारा इंटेक वेल की मोटर पम्प की मरम्मत का कार्य भी युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। मोटर पम्प के पूर्ण रूप से सुधार होने के बाद नगर क्षेत्र में पुनः प्रतिदिन नियमित पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कर दी जाएगी।

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषयक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

दमुआ, 6 जुलाई, शासकीय महाविद्यालय दमुआ में आज प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन की प्रभावी तकनीकों तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को दिखाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

रखरखाव के अभाव में सूख गए हजारों पौधे, वन विभाग फिर करेगा प्लांटेशन

वन परिक्षेत्र जुन्नारदेव के घोघरी रैयत का मामला, लाखों खर्च के बाद नतीजा सिफर

नवभारत न्यूज

परासिया, 6 जुलाई, वन परिक्षेत्र जुन्नारदेव के अंतर्गत आने वाले घोघरी रैयत क्षेत्र में बीते वर्ष किया गया सागौन का प्लांटेशन उचित रखरखाव के अभाव में सूख गया है। अब वन विभाग अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए एक बार फिर उसी क्षेत्र में नए सिरे से प्लांटेशन की तैयारी कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, वन विभाग द्वारा पिछले वर्ष लाखों रुपये खर्च कर घोघरी रैयत वन क्षेत्र में हजारों की संख्या में सागौन के पौधे लगाए गए थे। लेकिन विभागीय अधिकारियों की अनदेखी और लापरवाही के कारण इन पौधों का समय पर संरक्षण और देखभाल नहीं हो सकी, जिसके चलते बड़ी संख्या में पौधे सूख गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था की जाती, तो पौधों को बचाया जा सकता था। अब विभाग द्वारा दोबारा प्लांटेशन की तैयारी किए जाने पर वन विभाग की कार्यप्रणाली और खर्च की पारदर्शिता पर भी सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्रवासियों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर जब वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि आमतौर पर प्लांटेशन के बाद पौधे सूख जाते हैं जिन्हें दोबारा फीलिंग की जा रही है।

जनजाति संवर्ग के कर्मचारियों ने नवागत जिला शिक्षा अधिकारी का किया सम्मान

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा, 6 जुलाई, जनजाति सुरक्षा मंच कर्मचारी मोर्चा एवं आकाश संगठन के जिला एवं विकासखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी जे.के. इरपाची का शॉल, श्रीफल, पीला अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह एवं बरगद का पौधा भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री इरपाची ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से किए गए कार्य का प्रतिफल सदैव सुखद होता है। साथ ही उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं से नियमित समय पर विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हेतु विशेष प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सांवरी प्राचार्य एस. कुरमेती, बीएसी अरविंद भट्ट, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य गुरु प्रसाद धुर्वे सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रजोलारैयत पंचायत ने नम आंखों से दी पंचायत सचिव शिवराज सोनी को विदाई

नवभारत न्यूज

मोहखेड़, 6 जुलाई, जनपद पंचायत मोहखेड़ की ग्राम पंचायत रजोलारैयत में करीब 4 वर्ष 6 माह तक अपनी सेवाएं देने वाले पंचायत सचिव शिवराज सोनी के स्थानांतरण पर आयोजित विदाई समारोह भावनाओं से सराबोर रहा।

जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मचारियों और ग्रामीणों ने उनके कार्यकाल को विकास, पारदर्शिता और जनसेवा का उदाहरण बताते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि शिवराज सोनी ने अपने कार्यकाल के दौरान केवल कार्यालयीन दायित्वों का निर्वहन ही नहीं किया, बल्कि पंचायत के विकास को नई दिशा देने का प्रयास भी किया। उनके प्रयासों से वर्षों पुराने पंचायत भवन का नवीनीकरण हुआ, जिससे पंचायत कार्यालय को नई पहचान मिली। इसके अलावा पंचायत में विभिन्न निर्माण कार्यों को गति मिली और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत से जुड़े छोटे-बड़े जनहित के मामलों में शिवराज सोनी हमेशा उपलब्ध रहे। लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना, उनका त्वरित समाधान कराने का प्रयास करना और सभी के साथ सहज व्यवहार रखना उनकी कार्यशैली की विशेष पहचान रही।

लिंगा मंडल भाजपा की मासिक बैठक आज सारंगबिहरी में

नवभारत न्यूज

मोहखेड़, 6 जुलाई, भारतीय जनता पार्टी लिंगा मंडल की मासिक बैठक आज दोपहर 12 बजे सामुदायिक भवन, सारंगबिहारी में आयोजित की जाएगी। बैठक को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप भाऊ मोहोड, जिला प्रभारी दीपांकर बनर्जी, मंडल प्रभारी श्री राहुल मोहोड़ एवं श्री देवराव ठाकरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

बैठक में भारतीय जनता पार्टी लिंगा मंडल के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, मोर्चा अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, सह-संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष सहित अपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ता शामिल होंगे।मंडल अध्यक्ष घनश्याम कडवे ने बताया कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।सभी कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की गई है।

11.55 बजे तक एमपीईबी कार्यालय के बाहर लटका रहा ताला, नवभारत टीम की पड़ताल में सामने आई लापरवाही

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा, 6 जुलाई, आम उपभोक्ताओं को समय पर बिजली संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा करने वाले मोहखेड़ एमपीईबी कार्यालय की कार्यप्रणाली सोमवार को सवालों के घेरे में आ गई।

नवभारत टीम की पड़ताल के दौरान सुबह 11.55 बजे कार्यालय पहुंचने पर मुख्य द्वार पर ताला लटका मिला। कार्यालय के बाहर बिजली बिल, नए कनेक्शन, मीटर संबंधी शिकायतों और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आए उपभोक्ता इंतजार करते रहे, लेकिन कार्यालय में नियमित कामकाज शुरू नहीं हुआ था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि वे सुबह से अपने कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन कार्यालय बंद मिलने से घंटों इंतजार करना पड़ा। कई उपभोक्ताओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि विभाग समय पर बिल जमा नहीं होने पर उपभोक्ताओं पर कार्रवाई करता है, लेकिन जब विभागीय कार्यालय ही समय पर नहीं खुलता तो उसकी जवाबदेही कौन तय करेगा? कार्यालय बंद रहने से बिजली बिल जमा करने, बिल संशोधन, नए कनेक्शन, मीटर बदलवाने और शिकायतों के निराकरण जैसे कई कार्य प्रभावित रहे। इससे दूर-दराज़ के गांवों से आए लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।इस घटना ने विभागीय अनुशासन और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि कार्यालयों के संचालन की नियमित मॉनिटरिंग होती, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

डीपीएस में इंटर-हाउस समाचार वाचन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा, 6 जुलाई, छिंदवाड़ा में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के अंतर्गत इंटर-हाउस समाचार वाचन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रभावी संप्रेषण कौशल, तार्किक चिंतन, आत्मविश्वास तथा सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने की क्षमता का विकास करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि निर्णायकों के स्वागत से हुआ। विद्यालय परिवार ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश देते हुए दोनों निर्णायकों का पुष्पगुच्छ के स्थान पर सैपलिंग (पौधा) भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया । कक्षा ढ्ढ से ङ्क के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंटर-हाउस समाचार वाचन प्रतियोगिता में नन्हे प्रतिभागियों ने समाचार एंकर की भूमिका को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने स्पष्ट उच्चारण, उचित स्वर-लय, आत्मविश्वास तथा प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की निर्णायक सुश्री कोशिमा ने विद्यार्थियों की तैयारी, मंच संचालन क्षमता एवं आत्मविश्वास की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास से वे भविष्य में उत्कृष्ट वक्ता एवं सफल संचारक बन सकते हैं।

वार्ड 1 की पार्षद पर निजी स्वार्थ के लिए मिट्टी डलवाने का आरोप

पहली बारिश में किसानों की फसल को नुकसान

नवभारत न्यूज

बिछुआ, 6 जुलाई, नगर परिषद बिछुआ के वार्ड क्रमांक 1 की पार्षद बबीता साहेबराव गाकरे पर ग्रामीणों ने निजी स्वार्थ के लिए सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पार्षद का खेत नगर परिषद क्षेत्र में नहीं, बल्कि मोहखेड़ विकासखंड की ग्राम पंचायत नवलगांव में स्थित है।

आरोप है कि अपने निजी खेत को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत नवलगांव क्षेत्र की मेढ़ों पर करीब 100 से 150 ट्रॉली मिट्टी डलवाई गई। ग्रामीणों के अनुसार मेढ़ों पर मिट्टी डाले जाने से प्राकृतिक जल निकासी का मार्ग अवरुद्ध हो गया। पहली ही बारिश में पानी का बहाव बदल गया और आसपास के किसानों के खेतों में भर गया, जिससे खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद प्रभावित किसानों में नाराजगी है। किसानों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित किसान किसान

प्रभावित किसान सुनील बोबडे ने बताया कि मेढ़ों पर मिट्टी डलवाने से पानी की प्राकृतिक निकासी पूरी तरह बाधित हो गई। पहली बारिश में ही पानी उनके खेत में भर गया, जिससे फसल को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आगे भी क्षेत्र के किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा किसानों को हुए नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

तकनीकी रूप से यूरिया के साथ डीएपी की जबरन टैगिंग, किसानों के साथ अन्याय

नवभारत न्यूज

तामिया, 6 जुलाई, छिंदवाड़ा पूरे जिले के किसान इस समय खाद के संकट और सरकारी सिस्टम की तानाशाही से परेशान है। वर्तमान में सहकारी कॉपरेटिव सोसायटियों से खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन पोर्टल किसानों के लिए राहत के बजाय आफत बन चुका है। इस गंभीर जन-विरोधी मुद्दे को लेकर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य नवीन मरकाम ने मोर्चा खोल दिया है।

उन्होंने किसानों को इस आर्थिक लूट से बचाने के लिए जिला कलेक्टर प्रशासन के समक्ष मुद्दा उठाने की तैयारी में है। जिसे लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी समर्थन देखने को मिल रहा है। वर्तमान में जिले की सहकारी सोसायटियों से खाद प्राप्त करने के लिए किसानों को ई-टोकन पोर्टल का उपयोग करना अनिवार्य किया गया है। लेकिन इस पोर्टल में एक संवेदनहीन तकनीकी अनिवार्यता जोड़ दी गई है। जो किसान अपनी फसलों के लिए केवल यूरिया लेने सहकारी समितियों में पहुंच रहे हैं। किसानों को पोर्टल पर जबरन *डीएपी* (ष्ठक्क) और *सुपर फास्फेट* लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है। जब तक किसान इस अतिरिक्त और महंगे खाद को पोर्टल पर स्वीकार नहीं करता, तब तक सिस्टम उसे यूरिया का टोकन ही जारी नहीं करता।

अनदेखी

शासन के स्वीकृत एस्टीमेट को दरकिनार कर मनमर्जी से हो रहा निर्माण! गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता पर उठे गंभीर सवाल

मोहखेड़ जनपद में सामुदायिक भवन निर्माण पर बड़ा सवाल

नवभारत न्यूज

मोहखेड़, 6 जुलाई, जनपद पंचायत मोहखेड़ की कई ग्राम पंचायतों में निर्माणाधीन सामुदायिक भवनों को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। आरोप है कि शासन द्वारा स्वीकृत तकनीकी एस्टीमेट और डिज़ाइन की अनदेखी कर निर्माण कार्य मनमर्जी से कराया जा रहा है। इससे न केवल निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि भवन की मजबूती और भविष्य में लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, जिन तकनीकी मानकों और डिज़ाइन के आधार पर शासन से स्वीकृति मिली, जमीनी स्तर पर कई स्थानों पर उनका पालन नहीं किया जा रहा। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि स्वीकृत एस्टीमेट का पालन ही नहीं होना था, तो उसे तैयार करने का उद्देश्य क्या था? क्या एस्टीमेट केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गया है, या फिर नियमों को मनमर्जी से बदलने की खुली छूट दे दी गई है?निर्माण कार्य की निगरानी और तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होती है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं। सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता संबंधी सवालों पर भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे संदेह और गहरा गया है।सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई निर्माण स्थलों पर अनिवार्य सूचना बोर्ड (डिस्प्ले बोर्ड) तक नहीं लगाया गया है। नियमों के अनुसार कार्यस्थल पर स्वीकृत लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य प्रारंभ एवं पूर्ण होने की तिथि तथा अन्य तकनीकी जानकारी प्रदर्शित की जानी चाहिए, ताकि आम जनता को जानकारी मिल सके।

उठ रहे बड़े सवाल

- क्या शासन द्वारा स्वीकृत एस्टीमेट का पालन नहीं किया जा रहा?
- यदि नहीं, तो किसके निर्देश पर डिज़ाइन और तकनीकी मानकों में बदलाव किया गया?
- निर्माण स्थलों पर सूचना बोर्ड क्यों नहीं लगाए गए?
- गुणवत्ता और सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?
- क्या जिम्मेदार अधिकारी निर्माण कार्यों की नियमित तकनीकी निगरानी कर रहे हैं?
- आखिर किसके संरक्षण में स्वीकृत एस्टीमेट से अलग निर्माण कराया जा रहा है?

इनका कहना

सामुदायिक भवन के स्वीकृत एस्टीमेट में स्टील ग्रिल प्लिंथ लेवल लगभग 1 मीटर रखने का प्रावधान है। हालांकि, कुछ स्थानों पर स्थानीय परिस्थितियों एवं सुरक्षा की दृष्टि से निर्माण एजेंसी द्वारा इसे 2 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई पर रखा जा रहा है। यदि कहीं स्वीकृत एस्टीमेट से अलग निर्माण हुआ है, तो संबंधित निर्माण कार्य की जांच कराई जाएगी और आवश्यकता अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

— अभिषेक वर्मा, सहायक यंत्री, जनपद पंचायत मोहखेड़

कार्यालय नगर पालिक निगम, खण्डवा (म.प्र.) 450001

क्रमांक- 968/जन.वि./ ई-टेण्डरिंग / 2026 (जनकार्य एवं उद्यान विभाग) खण्डवा,दिनांक- 03/07/2026

-:: निविदा विज्ञप्ति ::-

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य की निविदा का विस्तृत वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	ऑन लाईन पोर्टल	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2026_UAD_519186_1	सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में सी. सी. रोड़, नाली निर्माण एवं पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य ।	20.00 Lacs	20,000/-	2,000/-	60 दिन
2	2026_UAD_519193_1	जवाहरगंज वार्ड में आर.सी.सी. नाली निर्माण का कार्य।	19.98 Lacs	19,980/-	2,000/-	60 दिन
3	2026_UAD_519208_1	पदमकुंड वार्ड में दुबे कॉलोनी में महादेव मंदिर से मारकडे जी के मकान तक सी.सी. रोड़ निर्माण का कार्य।	12.28 Lacs	12,280/-	2,000/-	60 दिन
4	2026_UAD_519214_1	झिलोध्यान स्थित भैरवतालाब की रिटेनिंग वाल निर्माण का कार्य ।	24.52 Lacs	24,520/-	5,000/-	60 दिन

निविदा ऑनलाइन क्रय एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक : - 03/08/2026 (शाम 5:30 बजे तक)

निविदा खोलने की दिनांक :- 05/08/2026 (प्रातः 10:30 बजे तक)

निविदा संबंधी समस्त जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा में यदि किसी भी प्रकार का संशोधन किया जाता है तो वह वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, खण्डवा